प्रश्न–पत्र की योजना

कक्षा – **Xth**
विषय – हिन्दी (01)
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्‌देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्‌देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	17	21.25%
2.	अवबोध	19	23.75%
3.	अभिव्यक्ति	29	36.25%
4.	मौलिकता	15	18.75%
	योग	**80**	

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	18	1	22.5	36	22
2.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	15	24	27
3.	लघूत्तरात्मक	13	2	32.5	26	69
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	–	–	–	–	–
5.	निबंधात्मक	4 3	3 4	30	14	77
	योग	50				195

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपिठत	10	12.5%
2.	निबंध	4	5%
3.	पत्र	4	5%
4.	विज्ञापन	4	5%
5.	व्या.व्याकरण एवम् रचा	12	15%
6.	क्षितिज (पाठ्य पुस्तक)	36	45%
7.	कृतिका (पाठ्य पुस्तक)	10	12.5%
	योग	**80**	**100**

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा –10 विषय :– हिन्दी पूर्णांक –80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	
1.	अपठित	6(6)			-		2(2)			-							2(2)					10(10)
2	निबंध				-					-	1(-)					1(-)					2(1)	4(1)
3	पत्र				-					-	1(-)					1(-)					2(1)	4(1)
4	विज्ञापन				-					-	1(-)					1(-)					2(1)	4(1)
5	व्या0 व्याकरण एवं रचना	6(6)	1(1)		-			2(2)		-				2(1)				1(1)				12(11)
6	क्षितिज		2(2)		-			1(1)	3(-)	-	2(-)		3(3)	11(7)		8(4)	-	-	4(2)		2(-)	36(19)
7	कृतिका	1(1)			-	1(1)	2(2)	4(2)		-				2(1)								10(7)
	योग	**13(13)**	**3(3)**		**-**	**1(1)**	**4(4)**	**7(5)**	**3(-)**	**-**	**5(-)**		**3(3)**	**15(9)**		**11(4)**	**2(2)**	**1(1)**	**4(2)**		**8(3)**	**80(50)**
			17 (17)				**19(9)**					**29(16)**					**15(8)**					

विकल्पों की योजना :– प्र.सं. 17, 18, 19, 20 21, 22, 23 में एक आंतरिक विकल्प है। **नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।**

प्र0 1 में 1–12 समाहित है।
प्र0 2 में 1 से 6 समाहित है।
प्र0 3 में 1–12 समाहित है।

हस्ताक्षर

माध्यमिक परीक्षा

हिन्दी – (01)

पूर्णांकः– 80

समयः–3:15 घंटे

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देशः–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखे।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तरपुस्तिका में ही लिखे।
4. जिन प्रश्नों के आंतरिक खण्ड है, उन सभी के प्रश्न के उत्तर एक साथ ही लिखे।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखे।
6. प्रश्न सं0 17, 18, 19, 20 22, 23 आन्तरिक विकल्प है।

परीक्षा 2023 पाठ्यक्रम
विषय– हिन्दी
विषय कोड–01
कक्षा–10
खण्ड–''अ''

प्र0 1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए?

जयशंकर प्रसाद जी काशी के सुंघनी साहु के प्रतिष्ठित घराने में उत्पन्न हुए थे। यह घराना अपनी दानवीरता के लिए प्रसिद्ध था। इन्होंने क्वींस कॉलेज में सातवीं कक्षा तक पढ़ा था पर घर मे ही संस्कृत, अंग्रेजी, हिन्दू, उर्दू, फारसी का व्यापक अध्ययन किया था। प्रसाद जी मूलतः कवि थे। उनकी समस्त रचनाओं में उनका कवि हृदय झलकता है। उन्होंने प्रारम्भ में ब्रज भाषा में कविता लिखी। उनकी विधायनी कृतित्व की क्षमता का परिचय "झरना" के प्रकाशन से सांकेतिक रूप में मिला। जहाँ तक छायावाद की प्रतिष्ठा का प्रश्न है, प्रसाद जी ने उसका बीजारोपण ''झरना'' में ही किया। ''झरना'' के पश्चात "आँसू" का प्रकाशन काव्य के क्षेत्र की हिन्दी साहित्य में बहुत बड़ी घटना है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है– (1)

(अ) छायावाद (ब) सरस गीत

(स) जय शंकर प्रसाद (द) झरना

(2) प्रसाद जी सम्बंधित थे – (1)

(अ) सुंघनी साहु घराने से (ब) कलवार घराने से

(स) ठाकुर घराने में (द) हालदार घराने से

(3) प्रसाद जी ने सर्वप्रथम कौनसी भाषा में कविता लिखी? (1)

(अ) अवधि (ब) ब्रज

(स) राजस्थानी (द) हिन्दी

(4) निम्न में से कौनसी रचना जय शंकर प्रसाद की है? (1)

(अ) आँसू (ब) झरना–संगीत

(स) लहरगीत (द) विधायनी

(5.) जय शंकर प्रसाद ने छायावाद का बीजारोपण किस रचना में किया? (1)

(अ) झरना (ब) आँसू
(स) लहर (द) कामायनी

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (प्रश्न सं. 6 से 10)

पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।
है अनिश्चित, किस जगह पर
सरित, गिरि, गह्वर मिलेंगे,
है अनिश्चित, किस जगह पर
बाग, वन सुन्दर मिलेंगे।
किस जगह यात्रा खतम हो,
जायगी, यह भी अनिश्चित,
है अनिश्चित, कब सुमन, कब
कंटकों के शर मिलेंगे।

(6) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक है– (1)

(अ) जगह की अनिश्चितता (ब) पथ की पहचान

(स) यात्रा (द) फूल और कांटे

(7) 'बटोही' शब्द का अर्थ है– (1)

(अ) पथिक (ब) मजदूर

(स) नाविक (द) बाट जोहने वाला

(8) 'सुमन' का पर्यायवाची युग्म है – (1)

(अ) कुसुम, अनल, नभ (ब) मंजरी, दृग, निर्जन

(स) फूल, पुष्प, प्रसून (द) कृशानु, कंटक, पुष्प

(9) उक्त काव्यांश में कौनसी शब्द–शक्ति का प्रयोग हुआ है– (1)

(अ) अभिधा (ब) लक्षणा

(स) व्यंजना (द) कोई नहीं

(10) प्रस्तुत काव्यांश में 'कंटकों के शर' का अर्थ है– (1)

(अ) दुःख (ब) सुख

(स) रेगिस्तान (द) बगीचा

(11) ''उन्मेष'' शब्द का अर्थ है। (1)

(अ) प्रकाश (ब) दीप्ति

(स) उजाला (द) उपर्युक्त सभी

(12) ''जार्ज पंचम की नाक'' कहानी है– (1)

(अ) व्यंग्यात्मक (ब) संस्मरणात्मक

(स) ऐतिहासिक (द) बाल मनोवैज्ञानिक

प्र. 2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. गाय, आदमी, पुस्तक आदि शब्द .... संज्ञा का बोध कराते हैं। (1)

2. जिस सर्वनाम का प्रयोग .... के लिए किया जाता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। (1)

3. ऐसे शब्द जो, संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं .... कहलाते हैं। (1)

4. अविकारी शब्द ही ....शब्द भी कहलाते है । (1)

5. ''अनुज'' शब्द में .... उपसर्ग है। (1)

6 ''मानवता'' शब्द में मूल शब्द .... है। (1)

प्र. 3. निम्नलिखित अतिलघुतरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में लिखिए

1. 'व्यंजन' संधि की परिभाषा लिखिए। (1)

2 ''तत्पुरुष समास'' के दो उदाहरण लिखिए। (1)

3. 'काठ का उल्लू होना' मुहावरे का अर्थ लिखिए। (1)

4. 'जैसी करनी वैसी भरनी' लोकोक्ति का वाक्य प्रयोग, लिखिए। (1)

5. 'यतींद्र मिश्र' का जन्म कब और कहाँ हुआ? (1)

6. महावीर प्रसाद ने क्या तर्क देकर स्त्री शिक्षा का समर्थन किया। (1)

7. बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ा? (1)

8. गिरिजाकुमार माथुर की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। (1)

9. ''संगतकार'' कविता किसके महत्व पर विचार करती है? (1)

10. भदंत आनंद कौसल्यायन ने सभ्यता को किसका परिणाम माना है? (1)

11. "रानी आए और नाक न हो" पंक्ति में किसकी नाक न होने की बात कही गई है। (1)

12. 'अज्ञेय' किस विषय के विद्यार्थी रहे हैं? 'मैं क्यों लिखता हूं' पाठ के आधार पर बताइए। (1)

खण्ड ब

प्रश्न संख्या 4 से 16 तक के लिए प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम उत्तर सीमा 45 शब्द हैं।

प्र0 4 'माता का अँचल' पाठ से बाल स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है? (2)

प्र.5.''शांति और अहिंसा की प्रतीक ये पताकाएँ।'' इन पताकाओं का क्या महत्व बताया गया है ? ''साना साना हाथ जोड़ी'' पाठ के आधार पर बताइए। (2)

प्र. 6 दुलारी का परिचय टुन्नू से कहाँ और कैसे हुआ? (2)

प्र. 7. काल के आधार पर क्रिया के भेदों के उदाहरण सहित समझाइए। (2)

प्र. 8. गोपियों ने उधों को बड़ भागी क्यों बताया है। (2)

प्र. 9. बाल गोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे। (2)

प्र 10 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए। (2)

प्र.11. "छाया मत छूना मन, होगा दुःख दुना" पंक्ति में कवि क्या कहना चाहता है। (2)

प्र.12 ''काशी संस्कृति की पाठशाला है।'' क्यों? नौबत खाने में पाठ के आधार पर बताइए। (2)

प्र.13. संस्कृति क्या है? अपने शब्दों में लिखिए। (2)

प्र.14. ''नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं'' उक्त कथन को पाठ के अन्तर्गत आए उदाहरण द्वारा समझाइए । (2)

प्र.15. सूरदास का जीवन परिचय एवम् कृतित्व संक्षेप में लिखिए। (2)

प्र.16. रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन परिचय एवम् कृतित्व संक्षेप में लिखिए। (2)

खण्ड– स

प्र.17. निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (1+2)

फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी–कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ते बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते–खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिन्ता हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते।

अथवा

आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो इतना तो समझ में आता ही है क्या तो उस समय मेरी उम्र थी और क्या मेरा भाषण रहा होगा। यह तो डाक्टर साहब का स्नेह था जो उनके मुँह से प्रशंसा बनकर बह रहा था या यह भी हो सकता है कि आज से पचास साल पहले अजमेर जैसे शहर में चारों ओर से उमड़ती

भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच और झिझक के यों धुआंधार बोलते चले जाना ही इसके मूल में रहा हो ।

प्र.18 निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (1+2)

फटिक सिलानि सौं सुधार्‌यौ सुधा मंदिर,
उदधि दधि को सो अधिकाइ उमगे अमंद।
बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव'
दूध को सो फेन फैल्यो आँगन फरसबंद ।

अथवा

बादल गरजो।
घेर घर घोर गगन, धराधर ओ।
ललित ललित, काले घुंघराले,
बाल कल्पना के से पाले,
विद्युत – छवि उर में, कवि नवजीवन वाले
वज्र छिपा, नूतन कविता फिर भर दो
बादल गरजो।

प्र. 19. लक्ष्मण व परशुराम के मध्य हुए संवाद को उदाहरण सहित लिखिए। (3)

अथवा

''आत्मकथ्य'' कविता के मूल भाव पर विस्तृत प्रकाश डालिए। (3)

प्र. 20. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर बताइये कि सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? (3)

अथवा

'एक कहानी यह भी' पाठ मन्नू भण्डारी के साधारण लड़की से असाधारण बनने के प्रारम्भिक पड़ावों को प्रकट करता है। समझाइये। (3)

खण्ड द

प्र. 21 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300–350 शब्दों में एक सारगर्भित निबंध लिखिए । (4)

(अ) मातृ भाषा और उसका महत्व

(1) मातृभाषा का अर्थ एवम् परिभाषा (2) रचनात्मक विकास में मातृभाषा का योगदान

(3) मातृभाषा व राष्ट्रभाषा (4) उपसंहार

(ब) मेरा प्रिय नेता

(1) नेता का अर्थ (2) राजनीति की परिभाषा

(3) प्रिय नेता नाम व परिचय (4) प्रिय नेता का आपके व्यक्तित्व पर प्रभाव

(स) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

(1) अपना परिचय (2) आपके द्वारा की गई यात्राओं का ब्यौरा

(3) आपकी अविस्मरणीय यात्रा का वर्णन (4) आपके जीवन पर प्रभाव

(द) राजस्थान के मेलें

(1) मेलों का सांस्कृतिक महत्व (2) मेलों का आर्थिक महत्व

(3) राजस्थान के प्रसिद्ध मेले (4) उक्त मेलों की पौराणिक कथाएँ

प्र. 22. स्वयं को आदर्श नगर बीकानेर का नीरव मानते हुए अशोक नगर जयपुर निवासी अपने मित्र को बहिन की शादी मे बुलाने हेतु निमंत्रण पत्र लिखिए। (4)

अथवा

अपने प्रधानाचार्या को अंग्रेजी विषय का पद रिक्त होने के कारण कोई अतिरिक्त व्यवस्था हेतु प्रार्थना पत्र लिखते हुए कक्षा कक्ष अध्ययन की वस्तु स्थिति से अवगत कराइए।

प्र. 23. ''नव–अंकुर'' विधवा महिला सहायता संस्था जयपुर द्वारा बनाई गई कारपेट की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए। (4)

अथवा

आपके विद्यालय में S.U.P.W शिविर में निर्मित अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी सामग्री बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए।